भर दे रे, गुरुदेव झोली भर दे, ना बहलाओ बातों में

भर दे रे, गुरुदेव झोली भर दे, भर दे,
ना बहलाओ बातों में ।
भर दे रे, गुरुदेव झोली भर दे, भर दे,
ना बहलाओ बातों में ॥

दिन बीते, बीती रातें,
अपनी कितनी हुई रे मुलाकाते ।
तुझे जाना, पहचाना,
तेरे झुठे हुए रे सारे वादे ।
भूले रे, गुरुदेव तुम तो भूले, भूले,
क्या रखा हैं वादों में ॥
भर दे रे, गुरुदेव झोली भर दे, भर दे,
ना बहलाओ बातों में..

नादान हैं, अंजान हैं,
गुरु तू ही तो मेरा भगवान हैं ।
तुझे चाहु, तुझे पाऊ,
मेरे दिल का यही तो अरमान हैं ।
लेले रे, गुरुदेव अब तो लेले, लेले,
मेरा हाथ, हाथों में ॥
भर दे रे, गुरुदेव झोली भर दे, भर दे,
ना बहलाओ बातों में..

मेरी नैया, जीवन नैया,
पार कर दे तू बनके खिवैया ।
मुझे आस हैं, विश्वास हैं,
दादा तू ही हैं एक खिवैया ।
रोए रे, गुरुदेव सेवक रोए, रोए,
तेरी ही यादों में ॥
भर दे रे, गुरुदेव झोली भर दे, भर दे,
ना बहलाओ बातों में..

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2632/title/bhar-de-re--gurudev-jholi-bhar-de--naa-bahlaao-baato-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |